vinetur

सितंबर में इतालवी वाइन की कीमतें 2.3% घटीं, उत्पादकों पर दबाव बढ़ा।

उद्योग समूह ने कहा कि छूट से बिक्री मात्रा नहीं बढ़ी, जिससे वाइनरी को ऊंची ऊर्जा, पैकेजिंग और परिवहन लागत का बोझ खुद उठाना पड़ा।

शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026



इतालवी वाइन उत्पादकों पर एक और दबाव बढ़ रहा है, क्योंकि खुदरा वाइन कीमतें गिरती जा रही हैं जबकि मुद्रास्फीति और उत्पादन लागत बढ़ती जा रही हैं, इतालवी वाइन यूनियन, या UIV, ने Istat के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा।

UIV ने गुरुवार को कहा कि इटली में उपभोक्ता वाइन कीमतें सितंबर में एक साल पहले की तुलना में 2.3% घट गईं। यह व्यापक मुद्रास्फीति दर की दिशा के विपरीत था, जिसे समूह ने 4.2% ऊपर बताया। साथ ही, मात्रा के हिसाब से वाइन बिक्री में बढ़ोतरी नहीं हुई है, जो संकेत है कि अब तक कम शेल्फ कीमतें खरीदारों को बड़ी संख्या में वापस लाने में विफल रही हैं।

उद्योग समूह ने कहा कि दबाव खास तौर पर वाइनरी के लिए गंभीर है, क्योंकि उनकी कुछ प्रमुख लागत मदें अभी भी बढ़

रही हैं। UIV ने विशेष रूप से बिजली और गैस की ओर इशारा किया, जो सीधे सेलर संचालन को प्रभावित करती हैं और कांच उत्पादन के माध्यम से परोक्ष रूप से लागत भी बढ़ाती हैं। समूह ने परिवहन और लॉजिस्टिक्स, ओनोलॉजिकल उत्पादों, पैकेजिंग और अन्य सामग्रियों पर बढ़ते खर्च का भी उल्लेख किया।

इससे वह अंतर और चौड़ा हो गया जिसे UIV ने ऊपर की ओर मुद्रास्फीति और नीचे की ओर कीमतों की गिरावट के बीच का फासला बताया। व्यवहार में, वाइनरी शराब का उत्पादन और परिवहन करने के लिए अधिक भुगतान कर रही हैं, लेकिन उन बढ़ोतरी को अपनी मूल्य सूची के जरिये आगे बढ़ाना उनके लिए और कठिन हो गया है। नतीजा पूरे क्षेत्र में मार्जिन का और सिकुड़ना है।

“कीमतों और बिक्री में एक साथ गिरावट यह भी दिखाती है कि शेल्फ पर कम कीमत अभी मांग में सुधार नहीं ला रही, कम से कम फिलहाल,” UIV ने Istat के आंकड़ों के अपने विश्लेषण के आधार पर कहा। कीमत कम करने से उत्पादकों के लिए चिंता इसलिए बढ़ती है क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि मौजूदा बाजार में सिर्फ मूल्य कटौती खपत को सहारा देने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती।

UIV के अध्यक्ष लैम्बेर्तो फ्रेस्कोबाल्दी ने कहा कि वाइन कंपनियों को अधिक सार्वजनिक सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समूह इतालवी सरकार और उससे भी अधिक, यूरोपीय संघ से आगे की कार्रवाई चाहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के उस पत्र का उल्लेख किया जो उन्होंने इस सप्ताह यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को लिखा था, जिसमें असाधारण मुद्रास्फीति दबावों से निपटने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया गया था।

फ्रेस्कोबाल्दी ने कहा कि वाइनरी को ऊर्जा लागत पर संरचनात्मक उपायों, ऋण को हासिल करना आसान बनाने के लिए मजबूत सार्वजनिक गारंटियों और ऐसे कर-उपकरणों की जरूरत है जो ऊर्जा दक्षता में निवेश तथा उत्पादन लागत कम करने को प्रोत्साहित करें। उनकी टिप्पणियाँ यह रेखांकित करती हैं कि वाइन क्षेत्र का वित्तीय स्वास्थ्य केवल उपभोक्ता मांग पर नहीं, बल्कि व्यापक ऊर्जा और वित्तपोषण स्थितियों पर भी कितना निर्भर है।

UIV की ऑब्ज़र्वेटरी के अनुसार, इतालवी वाइन उद्योग 14 अरब यूरो का राजस्व पैदा करता है, जिसमें 55% निर्यात से आता है। यह क्षेत्र 7.2 अरब यूरो का व्यापार अधिशेष भी देता है, जिससे यह देश के प्रमुख खाद्य और पेय निर्यात व्यवसायों में से एक बनता है।

ये आंकड़े सिर्फ वाइन से आगे भी मायने रखते हैं, क्योंकि वे ऐसे मूल्य निर्धारण संकट की ओर इशारा करते हैं जो पूरे पेय उद्योग में लहरें पैदा कर सकता है। जब उत्पादन स्तर पर मुद्रास्फीति ऊंची बनी रहती है, लेकिन खुदरा कीमतें कमजोर पड़ती हैं, तो सुपरमार्केट और अन्य बड़े खरीदारों के साथ व्यावसायिक बातचीत में आपूर्तिकर्ताओं पर दबाव बढ़ सकता है। वाइन, बीयर, स्पिरिट्स और अन्य पेयों के उत्पादकों के लिए इससे योजना बनाना, निवेश निर्णय लेना और बाजार हिस्सेदारी की रक्षा तथा मार्जिन बचाने के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है।

विशेष रूप से इतालवी वाइन उत्पादकों के लिए, ताज़ा आंकड़े संकेत देते हैं कि इनपुट लागत ऊंची रहने के बावजूद छूट अभी तक अधिक मात्रा में बिक्री में नहीं बदली है। इससे कंपनियों को घरेलू बाजार में भी और संभवतः निर्यात रणनीतियों में भी घटती लाभ-गुंजाइश को संभालने की कोशिश करनी पड़ रही है, जहां ऊंची वित्तपोषण, पैकेजिंग और परिवहन लागत का असर है।